

आईआईटी बीएचयू के दीक्षांत समारोह में बोले डीआरडीओ चेयरमैन जी सतीश रेड्डी तकनीकी दक्षता से ही बढ़ेंगे स्टार्टअप

अमर उजाला व्यूरो

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू के सातवें दीक्षांत समारोह में शनिवार को बतौर मुख्य अतिथि डीआरडीओ के चेयरमैन जी सतीश रेड्डी ने संस्थान में तकनीकी दक्षता के साथ-साथ स्टार्टअप को बढ़ावा देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि तकनीक के विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर ही मेक इन इंडिया के सपने को साकार किया जा सकेगा। समारोह में 50 छात्रों को 76 मेडल और 1191 मेधावित्तों को उपार्णित भी था।

स्वतंत्रता भवन में आयोजित समारोह में डॉ. जी सतीश रेड्डी ने कहा कि टेक्नोलॉजी में आगे बढ़ने के लिए इनोवेशन पर जोर देना होगा। जिससे ज्यादा से ज्यादा

तकनीकी आधारित उत्पाद बनाए जा सकें और मेक इन इंडिया का सपना पूरा किया जा सके। भावी इंजीनियरों को आह्वान करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि एक इंजीनियर के तौर पर सोच हमेशा तार्किक होनी चाहिए। इससे पहले आईआईटी बीएचयू के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार जैन ने संस्थान की उपलब्धियों की चर्चा की।

कार्यक्रम का संचालन कुलसचिव डॉ. एसपी माधुर ने किया। इस दौरान शैक्षणिक कार्य के अधिष्ठाता प्रोफेसर एएसके सिन्हा, उत्सृष्टान एवं विकास के अधिष्ठाता प्रोफेसर राजीव प्रकाश, ज्योतिष चिकित्सक प्रोफेसर प्रभाकर सिंह, प्रोफेसर पीके मिश्रा, प्रोफेसर आरएस सिंह, प्रोफेसर बी मिश्रा सहित कई शिक्षक, अतिथि, छात्र मौजूद रहे।

समारोह में 50 छात्र-छात्राओं को वितरित किए गए 76 मेडल, टॉपर रामपाल सिंह को सर्वाधिक 14 मेडल, 1191 को मिली उपाधि, दो छात्रों को रजत पदक

किसको कितने मेडल

मानस सिन्हा, अंकुश बंसल को सात-सात मेडल

अमन गुप्ता, ठाकेर पार्थ पररा को पांच-पांच मेडल

अकशा घोरसिया, जिल्ले भली को तीन-तीन मेडल

राहुल वर्मा, अरुण चांद, बलरंजित कुमार बघान, राहुम चौधरी, अनित्य गुप्ता को दो-दो मेडल

तान्या मौर्या, श्रेया पांडेय, इशा अग्रवाल, राशि चंदोला, सुष्टि शुक्ला, स्वाति राय को इंदिरा त्रिपाठी गोल्ड मेडल

अनुभा जोशी, भावना वर्मानी, रौनद्र कुमार सिंह, शुभि गुप्ता, आकृति मिश्रा, प्रिया कुमारी, जयदीप बनीक मजूमदार, सुचि पांडेय, कृष्ण कान्त दूबे, संदीप, गीतम सिंह, जय सिंह, अमितभ कुमार सिंह, स्मृति गुप्ता, नमन कटाल, अभिनव गुप्ता, मनुज कुमार सिंह, कार्तिक्य गुप्ता, अभिनव डीभासी, लक्ष्य नरुला, सैयद काजिम अब्बास, कार्तिम मन्चंदा, असीम गोसाईं, इरिनात व्यास, कार्तिका आहुजा, वर्णिता वाजपेयी, आभास शिखर, जूही सिंह, विरेद त्यागी, प्रखर दोरवार, धीरज कुमार महतो, मोहित गुप्ता, रजनीरा कुमार को एक-एक मेडल

मीनल बेहती को सिल्वर मेडल



शनिवार को आईआईटी बीएचयू के दीक्षांत समारोह में पदक पाने के बाद प्रसन्न मुद्रा में छात्र। (ऊपर) खुरी से ड्रम उठे मेधावी। (नीचे) अमर उजाला



दीक्षांत समारोह के दौरान मंच पर मेडल पाने के बाद खुरी का इजहार करते छात्र। अमर उजाला

डिफेंस कॉरिडोर में अहम भूमिका

डीआरडीओ चेयरमैन डॉ. सतीश रेड्डी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने डिफेंस कॉरिडोर बनाए जाने की जो घोषणा की है, उसमें आईआईटी बीएचयू नरिज पार्सन की भूमिका में काम करेगा। यह संस्थान के लिए बड़ी उपलब्धि है। समारोह से पहले पत्रकारों से बातचीत में चेयरमैन ने कहा कि डीआरडीओ और आईआईटी (बीएचयू) साथ मिलकर प्रदेश में रक्षा आधारित ज्यादा से ज्यादा उद्योग सृजित कर सकें, इसका यही उद्देश्य है। इस बारे में निदेशक के साथ बातचीत करने के साथ ही डीआरडीओ की ओर से एक टीम जल्द ही संस्थान में आकर शिक्षकों से बातचीत और दौरा भी करेगी।

टॉपर रामपाल को प्रेसीडेंट मेडल

समारोह में टॉपर इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के छात्र रामपाल सिंह ने सर्वाधिक 14 मेडल पाकर प्रेसीडेंट मेडल अपने नाम किया। खास बात यह है कि प्रेसीडेंट मेडल पहली बार दिया गया है। खलिया के लहसने निवास डॉ. रामश्री सिंह के पुत्र रामपाल इस समय में संकाय एवं सृजन प्रौद्योगिकी मंत्रालय केंद्रीडेट में रिसर्च इंजीनियर पद पर तैनात हैं। इसके पहले उनके बड़े भ्राई को भी इसी संस्थान में मेडल मिल चुका है। रामपाल ने बताया कि इस उपलब्धि के बाद विमोदरिता बढ़ गई है। सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन, संगठनात्मक क्षमता पर डॉक्टर मेडल पाने वाले अग्रोद हेमचंद्र ने बताया कि पहली मेडल मेडल प्राप्त है, इस ऐतिहासिक दिन को वह और उनका परिवार कभी भूल नहीं सकेगा।

बोले मेधावी

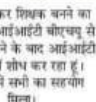
पदक मिलने के बाद तो जिम्मेदारी और बढ़ गई है। रोजगार के क्षेत्र में अतिथि से अधिक लोगों की मदद कर सकें, इस दिशा में काम करने का इरादा है।



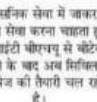
अतिथि से अधिक लोगों को रोजगार मिले कर उन्हें आसुनर बना सकें, उन्हें सपना है। सभी के सहयोग से इस सपने को पूरा करने की दिशा में काम चल रहा है।



अपने चरकर शिक्षक बनने का सपना है। आईआईटी बीएचयू से एग्जिट करने के बाद आईआईटी कड़ुकी में सीधे काम करना चाहता हूँ। संस्थान में सभी का सहयोग मिले।



प्रशासकीय सेवा में जाकर समाज सेवा करना चाहता हूँ। आईआईटी बीएचयू से एग्जिट करने के बाद अब सिलिकॉन रूबिंसन की तैयारी चल रही है।



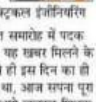
राहुल वर्मा, एग्जिट, सिलिकॉन इंजीनियरिंग



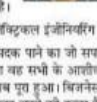
दीक्षांत समारोह में गोल्ड मेडल मिलने पर सभी को बधाई भी नहीं था। आज समाज पाने के बाद लग रहा है कि जिम्मेदारी और बढ़ गई है। इस खुरी को शब्दों में बर्णन नहीं किया जा सकता है।



अभक्ति मिश्रा, एग्जिट, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग



दीक्षांत समारोह में पदक मिलने, यह खबर मिलने के बाद मैं ही इस दिन का ती हुंजर था, आज सपना पूरा हुआ। अपने चरकर शिक्षक बनने है।



अरुण चंद, वैकेनिकल इंजीनियरिंग



स्वर्ण पदक पाने का जो सपना देख था वह सभी के आलोक में अब पूरा हुआ। विनयन प्रोफेसर बनने की इच्छा है, जिससे कि पृथकों में योगदान दे सकूँ।



1. दीक्षांत समारोह के बाद सेल्फी लेती छात्राएं।
2. दीक्षांत समारोह से पहले की स्थिति।
3. खुरी मनावते छात्र।
4. टॉपर रामपाल को प्रमाणपत्र देते मुख्य अतिथि जी सतीश और प्रो. प्रमोद कुमार जैन।